AKS-7

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - IX)

GENERAL STUDIES (Test - IX)

मॉडल टेस्ट - I / Model Test - I

DTVF/17–M–**GS9**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Anil

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [ ] नहीं [ ]

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ____________

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]: ____________

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anil

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

Section	Grade
Introduction	B
Context	B
Language	B
Content	C
Conclusion	B
Structure	B
Current Link / Examples	—

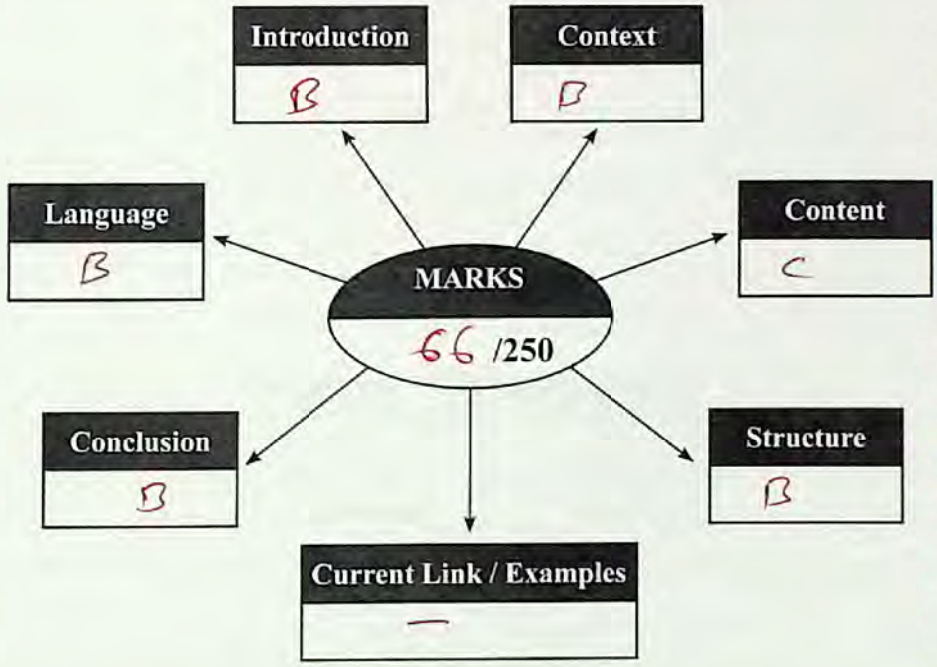

MARKS: 66 /250

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

Best of Luck

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. कुचिपुड़ी नृत्यकला भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है, जो आज भी विश्व के परंपरागत नृत्य रूपों में भारत का प्रतिनिधित्व करती है। उक्त कथन के संदर्भ में इस कला के चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 12.5

Kuchipudi dance is an integral part of Indian cultural heritage, which represents India in the traditional art forms of world even today. Throw light on characteristic attributes of this art in the context of above statement. (250 words) 12.5

कुचिपुड़ी नृत्यकला का विकास आंध्र प्रदेश के 'कुचेलपुर' नामक स्थान से हुआ। कुचिपुड़ी को भारत में शास्त्रीय नृत्य का दर्जा प्राप्त है।

सांस्कृतिक विरासत के महत्व को बताएँ

कुचिपुड़ी नृत्यकला की निम्न विशेषताएँ है ⇒

→ कुचिपुड़ी 'सामूहिक नृत्य' का रूप है।

→ कुचिपुड़ी में नृत्य नर्तकी सिर पर घड़ा रख, पीतल के थाल पर पैर से आकृति बनाते हुए नृत्य करती है।

→ कुचिपुड़ी में हस्त एवं पद संचालन का महत्वपूर्ण योगदान है।

→ इसमें भारत में प्रचलित लोक कथाओं के आधार पर मंचन नृत्य किया जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कुचिपुड़ी नृत्यकला भारत की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। वस्तुतः कुचिपुड़ी भारत का अत्यंत प्राचीन नृत्य है। वर्तमान में यह नृत्य भारत के उत्तरी एवं दक्षिणी भारत के राज्यों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करती है।

कुचिपुड़ी को केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व की महत्वपूर्ण नृत्य कलाओं में शामिल किया गया है। विश्व के अनेक अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सवों में कुचिपुड़ी का मंचन हुआ है।

भारत के अन्य शास्त्रीय नृत्यों जैसे- भरतनाट्यम, सत्रिया, ओडिसी, कथकली इत्यादि में कुचिपुड़ी को एक अनन्य स्थान प्राप्त है।

अतः हम कह सकते हैं कि कुचिपुड़ी भारत की

कैसे अभिन्न अंग है और व्यक्त करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है और यह विश्व के परंपरागत नृत्य रूपों में भारत के प्रतिनिधि नृत्य के रूप में विद्यमान है।

अच्छा प्रयास

4½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	1½	0.5	—	0.5	
Grade	D	B	B	B	—	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. चीनी यात्री ह्वेनसांग के भारत भ्रमण के यात्रा वृत्तांत 7वीं सदी के भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को उद्घाटित करने में महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। विवेचन करें। (250 शब्द) 12.5

Travelogues of Chinese pilgrimage Hiuen Tsang can be proved significant to exposition of 7th century socio-cultural life of India. Elucidate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत में बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने बौद्ध शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से ~~भारत~~ 7वीं सदी में आया। यह कन्नौज के शासक 'हर्षवर्धन' के राज-दरबार में रहा।

ऐतिहासिक यात्रा वृत्तांत के महत्व को बताऐं

इसने कन्नौज, इलाहाबाद, गुजरात इत्यादि स्थानों का भ्रमण किया है। इसने अपने यात्रा विवरण में भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को व्यापक रूप से उद्घाटित किया है।

ह्वेनसांग ने भारत में कन्नौज को सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य बताया है। उसने भारत में 'सती प्रथा' का उल्लेख किया है। ~~उसका~~ उसने स्वयं एक महिला को सती होते देखा था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ह्वेनसांग समाज में छुआछूत की स्थिति को भी बताता है। वह लिखता है कि भारत में अछूत जातियों को गांव से दूर बसाया जाता था, उन्हें सार्वजनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे तालाब, कुएं का प्रयोग करने की अनुमति नहीं थी।

ह्वेनसांग ने इलाहाबाद में होने वाले 'कुंभ' का भी वर्णन किया है। उसने लिखा है कि भारतीयों में अंधविश्वास व्याप्त था और भारत के लाखों लोग कुंभ में गंगा में स्नान करने आते थे। इनमें से कुछ गंगा में जल समाधि ले-लेते थे, क्योंकि उनका मानना था कि ऐसा करने से उन्हें मोक्ष प्राप्त हो सकेगा।

ह्वेनसांग ने लिखा है कि कन्नौज का राज्य सहिष्णु था। इसमें हिन्दू, बौद्ध एवं जैन

ये वृत्तांत कैसे महत्वपूर्ण हो सकती है? स्पष्ट करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सभी को मानने वालों का सम्मान था।

समाज कई वर्गों में विभक्त था। जैसे - क्षत्रिय, ब्राह्मण, शूद्र इत्यादि। भारत आर्थिक रूप से संपन्न था। यहाँ इन्फ्रास्ट्रक्चर अत्यंत विकसित अवस्था में थे। इनका व्यापार अन्य राष्ट्रों के साथ होता है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर हम कह सकते हैं कि ह्वेनसांग ने भारत के सामाजिक - सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक तथा धार्मिक पक्षों को उभारा है।

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. यूनेस्को द्वारा योग को 'मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल करने के क्या निहितार्थ हैं? इस सूची में शामिल भारत के अन्य अमूर्त विरासतों की भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

What are the implications of including 'Yoga' in 'Intangible Cultural Heritage of Humanity' list of UNESCO? Discuss about other intangible heritage included in the list. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूनेस्को द्वारा योग को मानवता के 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किया है।

वस्तुतः अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में योग के शामिल होने से योग का विश्व के प्रत्येक भाग में प्रसार होगा।

योग के अब संरक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे अब इसका प्रसार होगा। लोगों में योग को लेकर उत्सुकता होगी और लोग योग प्रोत्साहित होंगे।

भारत सरकार के योग को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण साधन के रूप में ले रही है। UNO ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप घोषित किया है। योग का उपयोग भारत 'सॉफ्ट

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को परिभाषित करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

पावर' के रूप में कर सकेगी।

योग मूलतः भारत से संबंधित है। अतः भारत में अब पर्यटन में वृद्धि होने की भी संभावना है, जो कि भारत में रोजगार एवं आर्थिक विकास में योगदान दे सकता है।

योग को अब भारत के पेटेन्ट कराने में भी सहायता प्राप्त हो सकती है।

योग के अतिरिक्त भारत की कई अन्य लोक कलाएँ अमूर्त विरासत की सूची में शामिल हैं। जैसे-

→ रम्माण → उत्तराखण्ड में ~~रम्माण~~ रम्माण का मंचन किया जाता है। इसमें राम कथा का मंचन किया जाता है।

→ नैय्यम → केरल में फसल कटने पश्चात ~~इसको~~ गांव के लोग सामूहिक रूप से इसका मंचन करते हैं।

अन्य महत्व को बताएं।

छऊ
रामलीला
वैदिक मंत्र

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ कालबेलिया → राजस्थान से संबंधित है। इसमें गायन तथा नृत्य दोनों एक साथ होता है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर हम कह सकते हैं कि किसी लोक कला को मानवता की अमूर्त सूची में शामिल किया जाना, वास्तव में मानवता के विकास को अग्रसर करना है।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव (First National Tribal Carnival) के प्रमुख उद्देश्यों एवं अभिलक्षणों की चर्चा करें। भारत के जनजातीय समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक समावेशन में इसकी भूमिका स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

Discuss about primary objectives and features of first national tribal carnival. Illustrate its role in socio-cultural inclusion of tribal community in Indian society. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव का आयोजन दिल्ली में किया गया।

इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे →

→ जनजातियों की संस्कृति एवं लोक कलाओं से भारत के अन्य लोगों को परिचित कराना।

→ जनजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देना।

→ भारत में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना।

→ जनजातियों के आर्थिक विकास को सुनिश्चित करना।

राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों के जनजातियों संबंधित लोक कलाओं का मंचन किया गया। उनके द्वारा निर्मित हस्तशिल्पों का भी प्रदर्शन किया गया। इस महोत्सव में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनजातियों का प्रकृति एवं पारिस्थितिकी प्रति लगाव को भी दर्शाया गया।

राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव भारत के सामाजिक - सांस्कृतिक समावेशन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। वस्तुतः इस महोत्सव से भारत में अन्य लोगों को जनजातियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त हुआ। भारत के लोग उत्तर पूर्वी एवं दक्षिण भारत की अनेक जनजातियों से परिचित हुए।

अन्त भूमिका को लिखें।

जनजातियों के प्रति लोगों में संवेदनशीलता को बढ़ाने में भी सहायक है। यह महोत्सव भारत में जनजातियों एवं अन्य लोगों के एकीकरण को भी प्रोत्साहित करता है। इसके माध्यम से जनजातियो की रीति रिवाजों, हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया गया जिससे वनजातियों को एकाकीपन में भी कमी है।

स्पष्ट लिखें।

इस महोत्सव ने जनजातियों भी को एक - दूसरे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की ~~के~~ रीति-रिवाजों से परिचित करवाया।

अतः हम कह सकते हैं कि ~~के~~ राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव जनजातीय समाज के सामाजिक - सांस्कृतिक समावेशन को ~~बढ़~~ बढ़ाते हुए, देश ~~के~~ में 'अनेकता में एकता' के सिद्धांत को स्थापित ~~के~~ करता है।

(4)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	1	0.5	—	0.5	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. भारत के फसल संबंधी उत्सवों के महत्त्व पर चर्चा करें तथा भारत की सांस्कृतिक विविधता में इनके योगदान का आकलन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Discuss the importance of harvest festivals in India and assess the contribution of these festivals in cultural diversity of India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। भारत में वर्तमान में भी 50 फीसदी ~~आबादी~~ कृषि संबंधी कार्यों में संलग्न रही है। उत्तर वैदिक काल से वर्तमान तक भारत ~~में~~ कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है।

ऐसे में भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ~~फसलों~~ के फसल कटने या बोने के दौरान मनोरंजन तथा अधिक उत्पादन के उद्देश्य से अनेक उत्सवों का उदय हुआ।

भारत के जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल तथा अरुणाचल प्रदेश इत्यादि में फसल संबंधी विभिन्न प्रकार के उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में जम्मू कश्मीर में 'चनकारी', एवं 'हिनकाट' का संबंध फसल संबंधी उत्सवों से है। इसमें फसल कटने के पश्चात ग्रामीण एक स्थान पर एकत्रित हो ईश्वर के प्रति अपने समर्पण करते हैं।

पंजाब में 'लोहड़ी' का आयोजन किया जाता है। फसल कटने के पश्चात लोग नृत्य कर अपनी खुशी का प्रदर्शन करते हैं।

केरल का 'थैय्यम', फसल संबंधी लोक नृत्य है। इसमें अच्छे उत्पादन के लिए ईश्वर की आराधना की जाती है।

हिमाचल प्रदेश में 'गिद्धा' का भी संबंध फसल के उत्सव से है।

उत्तर-पूर्व में भी 'हॉर्नबिल फेस्टिवल' का आयोजन फसल उत्सव के एक रूप

- सरहुल
- होरेली
- नुआखाई

इन फसल उत्सव के महत्त्व को बताएं तथा सांस्कृतिक विविधता में योगदानों की स्पष्ट चर्चा करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किया जाता है।

अतः हम कह सकते हैं कि भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है। ऐसे में भारत में विभिन्न प्रकार के फसल संबंधी उत्सवों का आयोजन होना स्वाभाविक है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न - भिन्न उत्सव होते हैं, किंतु सभी का उद्देश्य समान है। ये उत्सव वास्तव में भारत की सामाजिक - सांस्कृति को प्रदर्शित करते हैं।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.15	1	1	0.25	—	0.15	
Grade	D	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. 1770 के दशक का बंगाल का प्रचण्ड अकाल प्राकृतिक आपदा से अधिक मानव निर्मित विपत्ति थी। उन विभिन्न कारणों पर चर्चा कीजिये जिन्होंने इसकी तीव्रता में बढ़ोतरी कर दी। (250 शब्द) 12.5

The great famine of 1770's was more a man made hazard than natural disaster. Discuss the various factors that enhanced its severity. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1770 के दशक में भारत में बंगाल में प्रचण्ड अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई। इस अकाल में बंगाल के लाखों लोगों की खाद्य पदार्थों के अभाव में मृत्यु हो गई।

वस्तुतः भारत में कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था रही है। भारत में 70 के दशक के में भी इतना खाद्यान्न का उत्पादन होता था, किंतु कि अकाल की स्थिति उत्पन्न न होती।

फिर भी भारत के बंगाल में 70 के दशक में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई। वस्तुतः यह प्राकृतिक नहीं बल्कि मानव निर्मित आपदा थी। इसको निम्न कारणों के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है -

संक्षिप्त लिखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ भारत के बंगाल में द्वैध शासन स्थापित था। अतः अंग्रेज प्रशासन ने इस इस समस्या से निपटने के हेतु कोई कदम नहीं उठाया, जबकि निजाम इतना शक्ति संपन्न नहीं था, कि वह समस्या से निपट सके।

→ ~~ई~~ ईस्ट इण्डिया कंपनी ने केवल आर्थिक हितों को प्राथमिकता दी। किसानों से जबरन लगान वसूली की। ~~इसका~~ ~~परि~~ जबकि किसानों का पहले से ही उत्पादन कम हुआ था। अतः भारत में अकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हुई।

→ ईस्ट इण्डिया कंपनी ने भारत से ब्रिटेन को खाद्यान्न का निर्यात किया।

→ भारत के धनिक एवं व्यापारी वर्ग से खाद्यानों का संग्रह किया। अतः ~~को~~ बाजार में खाद्य संकट उत्पन्न हो गया और कालाबाजारी प्रारंभ हुई।

कारणों की और ध्यान दें। कृषि में निवेश की कमी

जमाखोरी की ओर

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः हम कह सकते हैं कि बंगाल के अकाल में प्रकृति की सीमित मात्रा थी, उसे प्रचण्ड एवं तीव्र बनाने में ब्रिटिश की ईस्ट इण्डिया कंपनी और समाज के धनिक एवं व्यापारी वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान था।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी राजनीतिक संघर्ष के लिये परिषद को एक रणभूमि बनाने में कहाँ तक सफल रहे? परिषद में प्रवेश को लेकर अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? (250 शब्द) 12.5

Discuss how far swarajists were successful in making Council as an arena for political struggle? What were the arguments of No-changers against Council entry? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

असहयोग आंदोलन के पश्चात भारत में कांग्रेस की आगे की रणनीति को लेकर विवाद हो गया। अपरिवर्तनवादी * चुनावों में भाग नहीं लेना चाहते थे। उनका मानना था कि परिषद में भाग लेने से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन हतोत्साहित होगा। उनका मानना था कि परिषद को कोई विशेष अधिकार प्राप्त नहीं है, बल्कि यह ब्रिटिश शासन के अधीन संस्था है। इसके समर्थकों - राजगोपालाचारी, सरदार वल्लभ भाई पटेल इत्यादि ने रचनात्मक कार्यों पर बल दिया।

अपरिवर्तनवादियों के तर्कों की और स्पष्ट चर्चा करें।

जबकि परिवर्तनवादी जैसे- मोतीलाल नेहरू, विट्ठलभाई, तथा सी० आर० दास चाहते थे कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कांग्रेस चुनाव में भाग ले और परिषद में पहुँचन ब्रिटिश नीतियों का विरोध करे। 'गया अधिवेशन' में अपरिवर्तनवादियों का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। अतः C.R. दास ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

परिवर्तनवादियों ने C.R. दास के नेतृत्व में 'स्वराजवादी दल' का गठन किया और चुनाव में भाग लेकर परिषद में पहुँचे।

इन्होंने परिषद में पहुँचकर ब्रिटिश नीतियों का विरोध किया। 'सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक' को पारित होने से रोका। इस विधेयक के माध्यम से किसी व्यक्ति को विदेशी राष्ट्र के संबंध रखने के आधार पर गिरफ्तार किया जा सकता था।

इन्होंने ये परिषद के अध्यक्ष के रूप में विट्ठल भाई पटेल का निर्वाचन कराने में सफल रहे।

अ-प सफलताओं की भी चर्चा करें तथा इनकी असफलताओं को भी बताएँ

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इनके ~~असफल~~ प्रयासों का ही परिणाम था कि साइमन आयोग (1927) का गठन 2 वर्ष पूर्व ही हो गया।

अतः हम कह सकते हैं कि स्वराजवादी दल परिषद में ब्रिटिश विरोधी नीतियों को चलाने में ~~सफल~~ रहे। सबसे बढ़कर उन्होंने ऐसे समय में भारत में राजनीतिक आंदोलन को बनाए रखा, जब असहयोग आंदोलन की समाप्ति के पश्चात हताशा की स्थिति थी।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	1	2.5	—	0.5	
Grade	B	B+	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. संपूर्ण विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में 1952 का आम चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

India's general election of 1952 became a landmark in the history of democracy all over the world. Critically evaluate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में सर्वप्रथम 1952 में लोकतांत्रिक चुनाव का आयोजन गया। यह चुनाव संपूर्ण विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में मील का पत्थर था। इसे निम्न तर्कों के आधार पर समझा जा सकता है →

→ भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात 'सभी वयस्कों' को मत देने का अधिकार प्रदान किया गया। जबकि अमेरिका जैसे राष्ट्र ऐसे कदम में असफल रहे।

→ भारत में महिलाओं, दलितों तथा अल्पसंख्यकों को बराबर का मत देने का अधिकार प्राप्त था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ 1952 के चुनाव से भारत में एक वास्तविक लोकतंत्र स्थापित हुआ, जो "जन के द्वारा, जन के लिए, जन का शासन" संबंधी अवधारणा को चरितार्थ कर रहा था।

→ भारत की नवगठित संस्था 'भारतीय निर्वाचन आयोग' की कार्यकुशलता, विश्व में एक विश्लेषण के विषय के रूप में उभरी। इतनी बड़ी जनसंख्या को मत देने के लिए प्रेरित करना तथा सीमित संसाधनों में सफल चुनाव कराना एक बड़ा कार्य था।

बहुदलीय प्रणाली को अपनाना

→ भारत में चुनाव के साथ ही भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में उभरा।

→ इस निर्वाचन ने 'अनेकता में एकता' तथा भारत की एकता और अखण्डता को निर्धारित किया।

किंतु इस निर्वाचन की कुछ सीमाएँ भी थीं। जैसे- इस निर्वाचन में भाग लेने वाले

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अधिकांश ~~लोग~~ लोग शिक्षित नहीं थे। उन्हें अपने प्रतिनिधियों के संबंध में जानकारी का अभाव है। कई ग्रामों में उच्च वर्ग की जातियों ने दलितों तथा महिलाओं को चुनाव में भाग लेने से रोका।

अन्य सीमायें की भी चर्चा करें!

फिर भी हम कह सकते हैं कि 1952 में हुए चुनाव ने भारत में एक लोकतंत्र स्थापित किया। जो वर्तमान में अत्यंत सुदृढ़ रूप में विद्यमान है।

एकपार्टी सिस्टम का प्रारंभ

लोकतांत्रिक अधिनायकवाद की स्थिति उभरी

3½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	——	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. "गांधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्त्ता, जनता के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते। वास्तव में सभी को इससे शक्ति मिलती है।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"As a politician, organiser, leader of humans and moral reformer, Gandhi is great, but he is more great as a human because these all aspects do not limit his humanity. Actually all these aspects get power from this." Examine the above statement in context of Gandhi. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~गांधी~~ गांधी जी अपने प्रत्येक उद्देश्य प्राप्ति में नैतिकता को अत्यधिक महत्व देते थे।

गांधी जी ने राजनीतिज्ञ के रूप में, एक संगठनकर्ता जनता के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान थे। वस्तुतः गांधी ने असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो जैसे आंदोलन प्रारंभ किए तथा इन आंदोलनों को सफल नेतृत्व भी प्रदान किया।

उन्हें राजनीतिज्ञ के रूप में दबाव - समझौता - दबाव की रणनीति का पालन किया। ~~क्या~~ जो कि उनके आंदोलनों में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्पष्ट झलकती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'नमक' जैसे मुद्दों को लेकर सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ किया।

गांधी जी अपने रचनात्मक कार्यों के माध्यम से भारत के सभी वर्गों को आंदोलन से जोड़ने में सफल रहे। उन्होंने भारत में सर्वोदय, छुआछूत का विरोध, नैसर्गिक चिकित्सा पद्धति, आम वेश भूषा इत्यादि के माध्यम से आम जन को अपने आंदोलन से जोड़ा।

प्रश्न के पहले भाग की ओर स्पष्ट जाना कोर

गांधी जी नैतिकता पर अधिक बल देते थे। वे साधन – साध्य की पवित्रता पर बल देते थे। सत्य, अहिंसा, तथा अपरिग्रह को प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के विकास लिए आवश्यक मानते थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किंतु उनका सबसे महान गुण उनका 'मानवता' से संपन्न होना है। वह केवल व्यक्ति तक ही अपने विचारों को सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्होंने 'प्रकृति के संरक्षण' तथा 'पशुओं के अधिकार' के संबंध में भी बात की।

अतः हम कह सकते हैं कि गांधी जी के विचार वर्तमान की अनेक समस्याओं जैसे नक्सलवाद, गरीबी, भुखमरी, असमानता, जातिवाद, ग्लोबल वार्मिंग के समाधान का विकल्प सुझाते हैं

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1½	4	0.5	—	0.5	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. फ्राँसीसी क्रांति उस विशाल नदी की तरह रही, जो उच्च पर्वत शिखर से प्रारंभ होकर मार्ग में अनेक छोटे-मोटे पर्वतों को लांघती हुई कभी तीव्र गति से, तो कभी मंद गति से प्रवाहमान रही। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में फ्राँसीसी क्रांति के स्वरूप का निर्धारण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

French revolution was like a large river, which was flowing at high or low pace, crossed sundry mountains after originating from a high mountain peak. Determine the nature of french revolution in the context of above statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांस में राजतंत्रात्मक शोषणकारी प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक - आर्थिक विषमता एवं जन अधिकारों की न्यूनतम के कारण फ्रांस में क्रांति हुई। यह 1789 से 1815 तक विभिन्न रूपों में देखो देखने को मिलती है।

1789 में जब फ्रांस में क्रांति संपन्न हुई हुई तो संवैधानिक राजतंत्र को स्थापित किया गया। 1792 में फ्रांस में जैकोबियन का तानाशाही शासन स्थापित हुआ। 1795 में फ्रांस में डायरेक्ट का शासन स्थापित हुआ। जिसमें 5 डायरेक्टर क्रमशः शासन का संचालन करते थे। 1799 में नेपोलियन से फ्रांस में पुनः राजतंत्रात्मक शासन स्थापित हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांसीसी क्रांति का नेतृत्व मध्यवर्ग ने किया था। अतः जब फ्रांसीसी क्रांति संपन्न हुई तो फ्रांस में मध्यवर्गीय हितों को प्राथमिकता दी गई। संपत्ति के अधिकार को बनाए रखा गया, मताधिकार सभी को प्रदान नहीं किए गए बल्कि सक्रिय मतदाताओं को ही मताधिकार दिया गया।

चर्चों से प्राप्त भूमि का किसानों में वितरण नहीं किया गया, बल्कि उसका विक्रय किया गया।

फ्रांसीसी क्रांति पुनर्स्थापनावादी क्रांति थी, जो राजतंत्र के विरुद्ध लोकतंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से प्रारंभ हुई। किंतु 1799 में नेपोलियन के शासन स्थापित करने के पश्चात पुनः फ्रांस में अधिनायक/राजतंत्र स्थापित हो गया।

फ्रांसीसी क्रांति के स्वरूप की और स्पष्ट चर्चा करें।
- विस्तारवादी
- लोकतांत्रिक
- राष्ट्रवादी
- अधिनायक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किंतु इस क्रांति स्वतंत्रता, समानता, गणतंत्र जैसे विचारों को प्राथमिकता दी गई। अतः उनका प्रचार हुआ। सामंतवाद का अंत हुआ। चर्चव्यवस्था को समाप्त किया गया। सबसे बड़ा फ्रांसीसी क्रांति ने विश्व को प्रभावित किया। जर्मनी एवं इटली के एकीकरण में फ्रांसीसी क्रांति का महत्वपूर्ण योगदान था।

अतः हम कह सकते है कि फ्रांसीसी क्रांति के विभिन्न उतार-चढ़ाव के पश्चात संपन्न हुई, किंतु इसने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1½	1	0.5	—	0.5	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. 'आर्थिक राष्ट्रवाद' को बढ़ावा देने में 1929 के आर्थिक संकट के योगदान का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Examine the contribution of economic crisis of 1929 in spurring the 'economic nationalism'. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1929 में विश्व में महान आर्थिक मंदी आई। इस मंदी के यूरोप अमेरिका एवं संपूर्ण विश्व प्रभावित हुआ।

इस मंदी के ~~परिणाम~~ परिणामस्वरूप सभी ने अपनी अर्थव्यवस्था के संरक्षण को प्राथमिकता देना प्रारंभ किया।

आर्थिक राष्ट्रवाद को परिभाषित करें।

इसी क्रम में ~~आर्थि~~ यूरोप के ब्रिटेन, जर्मनी तथा अमेरिका ने अपने बाजारों में आयात को हतोत्साहित किया तथा निर्यात को प्रोत्साहन किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके लिए आयात शुल्क में वृद्धि की गई तथा कोटा, लाइसेंस पद्धति को लागू किया गया।

अनेक राष्ट्रों ने अपनी मुद्रा का अवमूल्यन किया। जैसे - जर्मनी की मुद्रा का अवमूल्यन। इससे राष्ट्रों में अवमूल्यन करने का दौर प्रारंभ हुआ, जिससे निर्यात को बढ़ाया जा सके।

अनेक राष्ट्र अपने ~~देशों~~ ~~में~~ ~~क्षेत्र~~ क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ा रहे थे। इसके लिए उनने उद्योग स्थापित करने के लिए सब्सिडी प्रदान की।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई। अमेरिका की न्यु डील पॉलिसी इसका उदाहरण है।

अतः हम कह सकते हैं कि आर्थिक राष्ट्रवाद ने को बढ़ाने में 1929 की आर्थिक मंदी का महत्वपूर्ण योगदान था। किंतु 1940 के दशक IMF के गठन के पश्चात इसमें कमी आई।

पूर्व से प्रचलित आर्थिक राष्ट्रवाद की धारा की चर्चा करें

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	·25	1½	1	·25	—	·25	
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

12. चीन की वे मुख्य सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक परिस्थितियाँ क्या थीं जिन्होंने चीनी गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी को विजय दिलाई? (250 शब्द) 12.5

What were the major social, economic and political circumstances in China which led to the victory of communist party in Chinese civil war? (250 words) 12.5

मांचू साम्राज्य के विरुद्ध आंदोलन के परिणामस्वरूप 1911 में 'युआन सिकाई' के नेतृत्व में चीन में गणतंत्र स्थापित ~~किया~~ हुआ। ~~किंतु~~ 1925 तक चीन में राष्ट्रवादी दल एवं साम्यवादी दल के बीच समन्वय बना रहा, किंतु सनयात सेन की मृत्यु के पश्चात जब 'च्यांगकाईशेक' राष्ट्रवादी दल का प्रमुख बना, तो राष्ट्रवादी दल एवं साम्यवादी दल के बीच संघर्ष प्रारंभ हुआ।

1931 में 'माओ' के साम्यवादी दल के प्रमुख बनने के पश्चात चीन में दोनों दलों में संघर्ष प्रारंभ हो गया। ~~यह~~ इसने एक गृहयुद्ध का रूप ले लिया।

चीन की सामाजिक आर्थिक का संक्षिप्त परिचय दें

गलत तथ्य न लिखें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इस गृहयुद्ध में साम्यवादी दल की जीत हुई। इसके निम्न कारण है

सामाजिक कारण ⇒ चीन में अत्यधिक सामाजिक विषमता थी। साम्यवादी दल, मजदूरों एवं किसानों के कल्याण की बात करता था, बल्कि राष्ट्रवादी दल मध्यवर्ग के हितों को प्राथमिकता देता था। अतः चीन के बहुसंख्यक वर्ग का समर्थन साम्यवादी दल को प्राप्त हुई।

आर्थिक कारण ⇒ चीन में उद्योगों में मजदूरों का अत्यधिक शोषण होता था। किसानों को भूमि पर अधिकार प्राप्त नहीं था। प्रथम विश्व युद्ध एवं द्वितीय विश्व युद्ध के में भाग लेने के कारण चीन पर आर्थिक बोझ बढ़ा, खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ। अतः आम जन राष्ट्रवादी दल के विरुद्ध हुआ और साम्यवादी दल का समर्थन किया।

अन्य प्रमुख कारकों की भी चर्चा करें।
जैसे
↳ प्रभावी मार्शयोजना
↳ सैन्य नीति
↳ लोकप्रियता व असंतोष
→ महंगाई
→ भ्रष्टाचार
इत्यादि

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

तथ्यों की अपेक्षित जाँच करलें।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

राजनीतिक कारण ⇒ 1931 में जापान के आक्रमण के समय चीन में राष्ट्रवादी दल ने जापानी आक्रमण को रोकने के बजाय साम्यवादियों का दमन किया। जबकि साम्यवादी जापान के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे। अतः साम्यवादियों को समर्थन प्राप्त हुआ तो साथ ही रूस के साम्यवादी सरकार भी 'माओ' का समर्थन कर रही थी।

इसी का परिणाम रहा कि द्वितीय विश्व की समाप्ति के साथ चीन में क्रांति संपन्न हुई और माओ के नेतृत्व में साम्यवादी शासन स्थापित हुआ और राष्ट्रवादी सरकार को चीन से फार्मोसा विस्थापित होना पड़ा।

उत्तर को और प्रकार अधिक है

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1½	1	.25	—	.25	
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. "भारत में लघु-वित्त कार्यक्रमों, विशेषकर स्वयं सहायता समूह पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में लिया जाता है। फिर भी समाज में वृहद् स्तरीय सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन के बिना, स्वयं सहायता समूह व लघु-वित्त उपाय लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के बजाय स्त्रियों की पारंपरिक भूमिका को ही मज़बूत करता है।" क्या आप सहमत हैं? स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Micro-finance programmes especially self help group initiative is hailed as positive initiative towards empowerment of women in India. However, without a macro level socio-political and cultural change in the society, self help group micro-finance initiatives reinforce women's traditional role instead of promoting gender equality." Do you agree? Illustrate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लघु-वित्त कार्यक्रमों, विशेषकर स्वयं सहायता समूहों के गठन से महिलाओं को ऋण की सुविधा प्राप्त हुई, जिससे वे सूक्ष्म एवं घरेलू उद्योग स्थापित करने में सक्षम हुई। इससे सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण हुआ।

किंतु समाज में विद्यमान पितृसत्तात्मक समाज, लोगों में महिलाओं को लेकर नकारात्मकता का भाव, महिलाओं में शिक्षा का अभाव, घरेलू कार्यों की प्राथमिकता, वित्त का अभाव इत्यादि

लैंगिक समानता संबंधी आंकड़ों की भी चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के कारण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों का विशेष लाभ प्राप्त नहीं हुआ, बल्कि उन्हें आज भी घरेलू कार्यों में ही संलग्न रहना पड़ता है।

के. वस्तुतः महिलाओं को यदि सूक्ष्म एवं घरेलू उद्योग में बढ़ावा देना है। और एवं सहायता समूह पहल को महिला सशक्तिकरण हेतु प्रभावी बनाना है, तो इसके लिए सामाजिक ~~और~~ राजनीतिक परिवर्तन लाने होंगे।

सर्वप्रथम पुरुषों की पितृसत्तात्मक अभिवृत्ति में परिवर्तन किया जाए, महिलाओं को राजनीति के सभी सोपानों जैसे- संसद, विधानमण्डल एवं

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थानीय शासन में भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे उनके अनुकूल नीतियों का क्रियान्वयन हो सके। महिलाओं को शिक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए। महिलाओं के शोषण को रोका जाए। वित्तीय सेवाओं से जोड़ा जाए।

अतः हम कह सकते हैं कि यदि भारत वास्तव में आर्थिक महाशक्ति बनना है, तो आधी आबादी को अधिकार प्रदान करने होंगे।

इस दिशा में हुई प्रगति व सरकारी प्रयासों की भी चर्चा करें

$3\frac{1}{2}$

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	$1\frac{1}{2}$	1	.25	—	.25	
Grade	D	B	C	B		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. वस्तु एवं सेवाओं की खपत में बढ़ोतरी तथा वस्तुओं के उच्च मूल्य, मजदूरों की वेतनवृद्धि को निष्प्रभावी बना देते हैं। आलोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Increase in wages of labours is neutralized by high commodity prices and increased consumption of goods and services. Discuss critically. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वस्तु एवं सेवाओं की खपत एवं में वृद्धि तथा वस्तुओं के उच्च मूल्य के कारण मजदूरों की वेतनवृद्धि का उसे कोई लाभ प्राप्त नहीं होता अर्थात् यह वृद्धि निष्प्रभावी होती है।

1/2

पूरा उत्तर लिखने का प्रयास करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये सरकार के द्वारा कई प्रयास किये गए हैं लेकिन वे सफल नहीं हुए। भारत में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के लिये ज़िम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये तथा इसमें सुधार हेतु उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

A number of initiatives have been taken by government to improve the quality of primary education but they failed to improve the quality of education. Discuss various factors responsible for the poor quality of education in India and suggest measures to improve it. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~प्राथ~~ भारत में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता अत्यंत खराब स्थिति में है। प्रथम फाउण्डेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कक्षा 5 में पढ़ने वाले प्रत्येक दो में एक विद्यार्थी कक्षा 3 के गणित के सवालों को हल करने में सक्षम नहीं है।

सरकार ने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु निम्न प्रयास किए हैं-

→ सरकार ने शिक्षक बनने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया है।

→ सर्व शिक्षा अभियान प्रारंभ किया।

→ मिड-डे मील योजना।

शिक्षा के महत्व की चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न सख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ SEQI सूचकांक प्रारंभ किया।

→ शिक्षकों की बड़े पैमाने पर भर्ती की गई।

→ MOOC जैसे ऑनलाइन कोर्स शुरू किए गए।

→ शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

अन्य सरकारी प्रयासों यथा
→ राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986
→ महिला सामाख्या कार्यक्रम
→ 86वाँ संविधान संशोधन
→ शिक्षा का अधिकार
इत्यादि की भी चर्चा

इसके बावजूद भी प्राथमिक शिक्षा अत्यंत दयनीय अवस्था में है। इसके निम्न कारण है -

→ शिक्षकों में गुणवत्ता का अभाव।

→ सरकार का प्राथमिक शिक्षा पर कम व्यय।

→ तदर्थ शिक्षकों, शिक्षा-मित्रों की भर्ती।

→ उचित प्रशिक्षण का न होना।

→ स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं जैसे - पुस्तकों का अभाव।
↳ शौचालय, डेस्क, क्लासरूम इत्यादि का

अन्य चुनौतियों की भी चर्चा करें यथा
→ छात्र-शिक्षक अनुपात
→ भाषा
→ शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया
इत्यादि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ गरीबी, रोजगारोन्मुखी शिक्षा का न होना।

प्राथमिक शिक्षा की स्थिति में सुधार हेतु निम्न प्रयास किए जाएं ⇒

→ सुब्रमण्यम् पैनल की सिफारिशों को लागू किया जाए।

→ शिक्षक बनने हेतु न्यूनतम मापदण्ड तय किए जाए।

→ संचार तकनीक का प्रयोग बढ़ाकर विषयों के अध्ययन को रोचक बनाया जाए।

→ परिवार के सदस्यों को भी शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

अतः हम कह सकते हैं कि यदि भारत को जनांकिकीय लाभांश प्राप्त करना है, तो प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ाना होगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	2	1	.25	.25	.25	
Grade	B	A	e	B	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. नगरीकरण की बढ़ती हुई समस्या ने न केवल नगरों के धारणीय विकास को अवरुद्ध किया है अपितु इसके आर्थिक-पर्यावरणीय लागत को भी उच्च किया है। उक्त कथन का विवेचन करते हुए इसके निवारण हेतु किये जा रहे प्रयासों की चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The problem of urbanization has not only blocked sustainable development of cities but also escalated socio-environmental cost. Explain above statement and discuss the solutions to eradicate these problems. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नगरीकरण को परिभाषित करें।

भारत में वर्तमान में 32% जनसंख्या नगरों में निवास करती है। भारत में नगरीकरण में लगातार वृद्धि हो रही है।

नगरीकरण की बढ़ती समस्या के कारण नगरों का धारणीय विकास अवरुद्ध हुआ है। इसे निम्न बिंदुओं के अंतर्गत देखा जा सकता है-

→ नगरों की मूलभूत सुविधाएँ जैसे - स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत इत्यादि पर्याप्त उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

→ नगरों में अवसंरचना का अभाव है।

→ नगरों का नियोजित विकास नहीं हो पा रहा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ते हुए नगरीकरण के कारण आर्थिक एवं पर्यावरणीय लागत भी उच्च हुई, इसे निम्न तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है -

→ इससे शहरों की अवसंरचना पर दबाव पड़ा है। निजी वाहनों में वृद्धि हुई है, जिससे पर्यावरण को क्षति हुई।

→ वृक्षों का कटाव बढ़ा है।

→ कृषि योग्य भूमि कम हुई, जिससे भारत को खाद्यान्न आयात करना पड़ रहा है।

→ शहरों में सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हुई है।

→ मलिन बस्तियों का निर्माण हुआ है।

→ बाढ़ में वृद्धि हुई है।

→ शहरी द्वीप एवं ग्लोबल

स्पष्ट करें कि किस प्रकार नगरीकरण धारणीय विकास को प्रभावित करता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बार्मिंग जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है।

उपाय ⇒

→ ग्रामीण क्षेत्रों में ही शहरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं।

→ शहरों के विकास के दौरान स्वच्छ जल, वन संरक्षण इत्यादि को प्राथमिकता दिया जाए।

→ सतत शहरी विकास को प्राथमिकता दी जाए।

→ नियोजित शहरी विकास को प्राथमिकता दी जाए।

→ ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों के स्थापना को प्राथमिकता दी जाए।

अतः भारत में शहरों के साथ - साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भी विकास होना चाहिए, जिससे ऐसी समस्या ही उत्पन्न न हो।

और स्पष्ट चर्चा करें

इस दिशा में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी चर्चा करें

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1½	1	.25	—	.25	✓
Grade	B	B	C	B		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

17. भारत की विशिष्ट भौगोलिक पृष्ठभूमि में नवीकरणीय ऊर्जा के विकेंद्रीकृत प्रादेशिक विकास की संभाव्यता का विवेचन करें। साथ ही इसके विकास में विद्यमान चुनौतियों की भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

Explain possibility of decentralised regional development of renewable energy in the backdrop of diverse geography of India. Also discuss existing challenges in developing these. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नवीकरणीय ऊर्जा के अंतर्गत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा तथा जैव ईंधन ऊर्जा को सम्मिलित किया जाता है।

भारत की भौगोलिक विविधता स्पष्ट करें।

भारत में 300 दिन तक सौर ऊर्जा की प्राप्ति होती है। भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में सौर ऊर्जा के विकास की संभावना अधिक है।

पवन ऊर्जा मुख्यतः तटीय क्षेत्रों एवं पहाड़ी क्षेत्रों में उत्पादित होती है। अतः गुजरात, आंध्र

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रदेश, तमिलनाडु, इत्यादि में पवन ऊर्जा का उत्पादन संभव है।

भू-तापीय ऊर्जा तथा समुद्री ऊर्जा का उत्पादन भी तटीय एवं पर्वतीय क्षेत्रों में संभव है।

पन बिजली संयंत्र भारत में उत्तर-पूर्वी राज्यों, गंगा नदी, कावेरी, गोदावरी इत्यादि में स्थापित किया जा सकता है। ऐसे में जल विद्युत का उत्पादन केन्द्रियों की अवस्थिति प्रभावित करती है।

जैव ईंधन का उत्पादन भारत के किसी भी क्षेत्र में संभव है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नवीकरणीय ऊर्जा के संदर्भ में निम्न चुनौतियां विद्यमान है –

→ भारत में भूमि अधिग्रहण।

→ तकनीक का अभाव। उदाहरण के लिए सौर ऊर्जा बैट्रियों को चीन से आयातित किया जाता है।

→ कुशल तकनीशियनों का अभाव।

→ पर्यावरणीय क्षति संबंधी समस्या।

→ आंतरिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियां। विशेषकर उत्तर पूर्वी राज्यों में।

→ लागत का अधिक होना।

भारत को अब नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसीलिए भारत सरकार ने 2032 तक अपनी कुल ऊर्जा क्षमता का 40% नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित करने का लक्ष्य रखा है।

अन्य चुनौतियाँ भी स्पष्ट करें | वित्त + अवसंरचना + नीति क्रियान्वयन इत्यादि

समस्या के समाधान हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी चर्चा करें

3/

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	·25	1/2	1/4	·28	—	·28	
Grade	B	B	B	B		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. भारतीय कृषि में मशीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी ग्राह्यता (Adaptation) की प्रवृत्ति काफी सुस्त है जो खेत-फसल-किसान के त्रिगुट आधार को क्षरित करते हुए कृषि के पिछड़ेपन को सघन कर रही है। टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

There is sluggish pace of mechanization, modernisation and technology adaptation in Indian agriculture, which is intensifying backwardness of agriculture by deteriorating trinity base of farm-crop-farmer. Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में लगभग 50 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र में संलग्न है। किंतु कृषि का GDP में योगदान मात्र 17% का है।

भारत में कृषि अत्यंत पिछड़ी हुई अवस्था में है।

भारत में अभी भी मानव श्रम को प्राथमिकता दी जाती है। जिससे लागत मूल्य में वृद्धि होती है और उत्पादन भी कम होता है। अतः किसानों को कृषि में मशीनीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

भारत में आज भी परंपरागत कृषि को प्राथमिकता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दी जा रही है। वर्तमान में कृषि का आधुनिकीकरण करते हुए कृषि को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जाएं, उन्हें बागानी कृषि हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

भारत में कृषि में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए किसानों को m-सुविधा पोर्टल से जोड़ा जाए, उन्हें मौसम की जानकारी प्रदान की जाए। G M फसलों को बढ़ावा दिया। मृदा के अनुरूप उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। इसमें मृदा स्वास्थ्य कार्ड महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

इन सभी के साथ ही किसानों को सहकारी कृषि हेतु प्रोत्साहित

उत्तर में अस्पष्टता अधिक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रश्न की माँग के अनुसार उत्तर लिखने का प्रयास करें

किया जाए, ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, सिंचाई सुविधा प्रदान की जाए, तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं डेयरी उद्योग को बढ़ाया जाए।

अतः हम कह सकते हैं कि मशीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी सहायता कृषि को लाभ का व्यवसाय बना सकती है।

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	½	½	.25		.25	
Grade	B	D	D	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. वैश्विक ऊष्मन एवं जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया ने किस प्रकार भारतीय मानसून को प्रभावित किया है? इसके भारत के सामाजिक-आर्थिक जीवन पर क्या प्रभाव हैं? (250 शब्द) 12.5

How has global warming and climate change affected Indian Monsoon? What are its impacts of socio-economic life of India? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वैश्विक ऊष्मन के एवं जलवायु परिवर्तन ने भारतीय मानसून को व्यापक रूप से प्रभावित किया है।

इसके कारण 'एल नीनो' का प्रभाव बढ़ा है, जिससे भारत में दक्षिण - पश्चिम मानसून के द्वारा होने वाली वर्षा में कमी आई है।

इसके कारण निगेटिव इंडियन डायपोल का भी प्रभाव बढ़ा है जिसने भारतीय मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

जलवायु परिवर्तन को परिभाषित करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में उष्ण-कटिबंधीय चक्रवात की तीव्रता बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में चक्रवातीय वर्षा में वृद्धि हुई है।

भारत में शीतकालीन वर्षा में वृद्धि हुई है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण भारत में होने वाली वर्षा में वृद्धि हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने से संवहनीय वर्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है तथा हिमालयी क्षेत्र में होने वाली हिम वर्षा में भी कमी आई है।

इसी के कारण पूर्वी जेट स्ट्रीम भी विलंब से सक्रिय होती है, जिसके कारण दक्षिण पश्चिम मानसून

मानसून पर पड़ने वाले प्रभावों की और स्पष्ट चर्चा करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में अनियमितता देखने को मिल रही है।

भारत के सामाजिक-आर्थिक जीवन पर इसके प्रभावों की चर्चा करें

समाधान हेतु सुझाव देते हुए निष्कर्ष लिखें

2½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1	1	.25	—	—	
Grade	B	C	C	B			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

20. क्या कारण है कि विश्व के अन्य देशों की तुलना में भारत में पर्यटन की प्रवृत्ति काफी मंद है और यह आम जीवन का अंग नहीं बन पाया है? इस मनोवृत्ति में बदलाव हेतु आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

What are the reasons for having slow pace of tourism oriented attitude of India in comparison to other countries of the world and it has not become part of common man's life? What are your suggestions to change this mentality? (250 words) 12.5

भारत में सामाजिक सांस्कृतिक विविधता विद्यमान है। भारत में स्थापत्य, चिकित्सा पर्यटन लोक कलाओं, पारिस्थितिकी पर्यटन स्थलों की संभावनाएँ है। किंतु भारत यूरोपीय राष्ट्रों एवं चीन की अपेक्षा कम पर्यटन का विकास हुआ है। इसके निम्न कारण है -

संबंधित आंकड़ों का समावेश करें

→ भारत के सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक पर्यटन का व्यापक प्रचार - प्रसार नहीं हुआ।

→ भारत में अवसंरचना जैसे सड़क, रेलवे एवं रेस्टोरेंट की सुविधाओं का अभाव।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ भारत में सुरक्षा संबंधी कारण।

→ भारत में पर्यटन के विकास हेतु एक एकीकृत रणनीति का अभाव।

→ पर्यटन से संबंधित कुशल पेशेवरों का अभाव।

~~→ पर्यटन को लेकर भारत में~~

→ पर्यटन में सूचना एवं तकनीक का न्यूनतम प्रयोग।

→ भारत के लोगों में भी पर्यटन की प्रवृत्ति कम है।

इस मनोवृत्ति को बदलने हेतु निम्न उपाय आवश्यक है —

→ भारत के पर्यटन की ब्रांडिंग की जाए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

→ सूचना एवं तकनीक का प्रयोग बढ़ाया जाए।

→ आधारसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए बौद्ध सर्किट इत्यादि जैसे और सर्किट निर्मित किए जाए।

→ लोगों में पर्यटन संबंधी कौशल विकास किया जाए।

→ पर्यटन विकास बोर्ड को और सशक्त किया जाए।

→ लोगों को पर्यटन हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

पर्यटन को बढ़ावा देकर भारत आर्थिक विकास कर सकता है।

सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की भी चर्चा करें।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1½	1	.25		.25	
Grade	B	B	C	B		B	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation